मंगल (Inscript) Font

Table of Contents

Paragraph Writing 2
Letter Writing 3
Application Form 4

Paragraph Writing

वृक्षारोपण

वृक्षारोपण का तात्पर्य वृक्ष लगाने से है। वृक्षों से मनुष्य का सम्बन्ध अत्यन्त प्राचीन काल से है, मनुष्य का जीवन पेड़-पौधों पर ही आधारित है। पेड़-पौधे ही तो मनुष्य को अन्न, फल-फूल; दवाइयाँ, शीतल छाया और शुद्ध वातावरण प्रदान करते हैं। ये कार्बन-डाइ-ऑक्साइड गैस का सेवन करके हमें प्राणदायी ऑक्सीजन देते हैं। वृक्ष भूमि के कटाव को रोककर उसके पोषक त्तवों की रक्षा करते हैं। वृक्ष बादलों को आकर्षित कर वर्षा लाते हैं जिससे कि हमारी भूमि की सिंचाई होती है। देश के आर्थिक विकास एवं समृद्धि में वृक्षों का महत्वपूर्ण स्थान है। वृक्षों के अभाव में कच्चा माल नहीं मिल सकता। वृक्ष बाढ़ को रोककर परोपकार करते हैं।

भारतीय संस्कृति के अनुसार तो वृक्षों में देवताओं का वास मानकर इनकी पूजा की जाती है। वृक्षों से प्राकृतिक संतुलन बना रहता है। वृक्षों से लकड़ी, कच्चा माल और रोगों के उपचार के लिए औषधियाँ मिलती हैं। वृक्षों से पशुओं के लिए चारा और सरकार को राजस्व की प्राप्ति होती है। वृक्षों से इमारती लकड़ी और दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली अनेक वस्तुएँ प्राप्त होती हैं।

वृक्षों के अनगिनत लाभों को देखते हुए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। वृक्षारोपण का सबसे अच्छा समय वर्षा का है। वर्षा ऋतु में वृक्ष जल्दी ही जड़ पकड़ लेते हैं और हरे-भरे हो जाते हैं। पं. जवाहर लाल नेहरू ने कहा था–"एक उगता हुआ वृक्ष राष्ट्र की प्रगति का जीवित प्रतीक है।" वृक्षों का काटना रोकना चाहिए और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। कुछ समाजसेवी संस्थाएँ और स्कूल के बच्चे समय-समय पर वृक्ष लगाते रहते हैं। मानव औद्योगिक प्रगति के प्रयास में अब तक काफी वन-सम्पदा को नष्ट कर चुका है, किन्तु अब मनुष्य सजग हो गया है। सरकार द्वारा भी इस दिशा में कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

Letter Writing

तबीयत खराब होने के कारण छुट्टी

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक,
कखग उच्च माध्यमिक विद्यालय,
उत्तर प्रदेश,
दिनांक: १९.०२.२०२३

विषयः दो दिनों की छुट्टी के संबंध में।

महोदय,
सविनय विनम्र निवेदन है कि पिछले कुछ दिनों से मैं लगातार बुखार व जुकाम से पीड़ित हूँ। ऐसे में डॉक्टर ने मुझे परामर्श के तौर पर अगले दो दिनों तक आराम करने के निर्देश दिए हैं। इस कारण से दिनांक २०.०२.२०२३ से लेकर दिनांक २१.०२.२०२३ तक में कक्षा से अनुपस्थित रहूँगा।

अतः श्रीमान से निवेदन है कि मेरे खराब स्वास्थ्य और चिकित्सीय परामर्श को ध्यान में रखते हुए, मुझे दो दिनों की छुट्टी देने की कृपा की जाए। इसके लिए मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी,
रंजीत कुशवाहा,
कक्षा ५
क्रमांक संख्याः ३५

Application Form

आवेदन प्रपत्र

(क्रम संख्या):–

अतिथि शिक्षक उच्चतर माध्यमिक–
प्रशिक्षित..... अप्रशिक्षित.....

स्वअभिप्रमाणित फोटो

१. जिला का नाम.....
२. विषय.....
३. अभ्यर्थी का नाम.....
४. (क) पिता का नाम.....
(ख) माता का नाम.....
५. जन्म तिथि.....
६. लिंग :– पुरूष..... महिला.....
७. १ ली जनवरी को आयु वर्ष..... माह..... दिन.....
८. स्थाई पता–ग्राम / मोहल्ला / सड़क / शहर.....
.....
.....
थाना.....जिला.....पिन कोड.....
मोबाईल नं०.....ई–मेल.....
९. पत्राचार का पता– ग्राम / मोहल्ला / सड़क / शहर.....
.....
.....
थाना.....जिला.....पिन कोड.....
१०. कोटिः– सामान्य..... आरक्षित.....
११. आरक्षण की कोटि:– अ०ज०.....अ०ज०जा०.....अ०पि०व०..... पि०व०.....
१२. यदि विकलांग हो तो दृष्टि बाधित..... श्रवण बाधित..... अस्थिजन्य निःशक्त.....

शैक्षणिक	विद्यालय / महाविद्यालय का नाम	बोर्ड/परिषद् या विश्वविद्यालय का नाम	उत्तीर्ण होने का वर्ष	अध्ययन का विषय	पूणांक	प्राप्तांक	प्रतिशत
माध्यमिक							
उच्चतर माध्यमिक / इन्टरमीडिएट							
स्नातक / स्नातक प्रतिष्ठा							
स्नातकोत्तर							
प्रशैक्षणिक							
बी०एड०							
एम०टेक०/ बी०टेक०							

१३. एस०टी०ई०टी० उत्तीर्णता का वर्ष एवं क्रमांक :–

१४. एस०टी०ई०टी० उत्तीर्णता का प्राप्तांक एवं प्रतिशत:–

शपथ पत्र:– प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त सभी सूचनाये सही है। किसी भी प्रकार की सूचना गलत पाये जाने पर मेरी उम्मीदवारी रद्द करते हुए अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी।

स्थान:–.....

तिथि:–.....

.....

आवेदक का हस्ताक्षर